302. *[Transferred to the 7th May,* 1992]

Supply of Products by ONGC, Dehradun

303. PROF. SAUR1N BHATTA CHARYA : Will the Minister of PET ROLEUM AND MAT URAL GAS be pleased to state :

(a) whether Government propose to advise the Oil and Natural Gas Commission, Dehradun to augment the supplies of products as are equally available from various public sector undertakings :

(b) whether it is a fact that a few of the public sector companies are failing in their efforts to contribute substantially to meet the requirement of Oil and Natural Gas Commission of certain items which the Oil and Natural Gas Commission is marketing mostly from other sources;

(c) whether it is also a fact that quality and prices are much suited to Oil and Natural Cas Commission of these public sectors compared to what are provided by other sources ;

(d) if so, the details othereot and reasons therefor ; and

(e) what further efforts are being made to direct the Oil and Natural Gas Commission to utilise the available capacities of those other Government undertaking, at least of Central Government whenever such products are required by oil and Natural Gas Commission ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND). (a) to (e) Procurement of materials and services is done in ONGC through Competitive Bidding, where there is a provision for price preference to domestic suppliers including Public Sector Undertakings. In addition ONGC has been placing orders on Public Sector Companies for offshore platforms etc. on nomination basis.

रूसी एजेंसियों द्वारा तेल की खोज

304. श्रीमती सुषमा स्वराज :

श्री रणजीत सिंह :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग और रूस की एक एजेंसी के बीच दिसम्बर, 1988 में हुए एक समझौते के द्वारा उसे पश्चिमी बंगाल में गंगा नदी के थाले में तेल की खोज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उस समझौते के अनुसार तेल की खोज प्रारंभ करदी गई थी;

(ग) यदि हां, तो दिसम्बर, 1991 तक उस कार्य पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि फिलहाल इस कार्य को रोक दिया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो इस कार्य को रोकने के क्या कारण हैं और अब तक की गई तेल की खोज के कार्य के परिणामस्वरूप कितनी मात्रा में तेल भंडार उपलब्ध होने की सूचना प्राप्त हुई है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) 21.13 करोड़ रुपए ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) किए गए अन्वेषण कार्य से किन्हीं तेल भण्डारों की विद्यमानता का पता नहीं चला है।

नीलम आयल फील्ड प्रोजैक्ट के लिए ऋण

305. श्रीमती सुषमा स्वराज :

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में नीलम आयल फील्ड से कच्चा तेल निकालने की परियोजना के निर्माण के लिए कोरिया के निर्यात आयात बैंक से वित्तीय सहायता के रूप में एक बिलियन डालर का ऋण प्राप्त करने का निर्णय किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि कोरिया के उपर्युक्त संस्थान ने हाल में यह ऋण देने से इन्कार कर दिया है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार ने अब इस परियोजना के निर्माण के लिए किसी अन्य वित्तीय स्रोत से ऋण प्राप्त करने के लिए कोई प्रबन्ध किया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और नीलम परियोजना के कार्य को पूरा करने के संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (घ) नीलम प्रोसेस परिसर के लिए सशर्त आशय पत्र की प्रति अभी तक किसी भी सप्लायर की क्रेडिट को अंतिम रूप नहीं दिया गया है ।

पेट्रोलियम उत्पाद उद्योग

306. श्री राम जेठमलानी : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पेट्रोलियम उत्पाद उद्योग पर अभी तक सरकारी क्षेत्र का एकाधिकार है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस सरकारी एकाधिकार के कारण देश में प्रचुर मात्रा में क्षमता उपलब्ध होने के बावजूद पेट्रोलियम पदार्थों का उत्पादन देश की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हो सका है;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और क्या यह सच है कि सरकार अब निजी क्षेत्र को इस क्षेत्र में कार्य करने की अनुमति देने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (घ) पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए देश में शोधन क्षमता में निरन्तर वृद्धि की गई है। निजी क्षेत्र की कुछ कंपनियों ने नई रिफाइनरियों की स्थापना/भागीदारी में अपनी रुचि प्रदर्शित की है । तथापि, इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है ।

Gi-s Flaring Reduction Project

307. SHRI CHIMANBHAI MEHTA : SHRI J. P. JAVALI : SHRI SOM PAL : SHRI SARADA MOHANTY : SHRIMATI M1RA DAS :

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Bombay High gas flaring reduction project would reduce gas flaring to zero by 1995 ;

(b) if so, in what manner;

(c) where else the Seventeen MCMD gas that would be saved from flaring is proposed to be used ;

(d) whether the department would consider, in view of the Seventeen MCMD saving-surplus at Bombay High major share of Gandhar and Tapti fields gas for Gujarat which has been refused coal linkage for new thermal power stations;

(e) whether the commitment to Uttran gas based power house of GEB which is ready to go on stream is fulfilled ;

(f) if not, what are the reasons therefor ; and

(g) whether it is a fact that Gujarat Electricity Board is prepared to lay down 6 Kilo Metre pipe line to pass gas from Hazira to Uttran ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) to (c) The Project would reduce flaring of gas by adding compression and transportation facilities in the off-shore region. The gas will be provided to the consumers as per commitments made from time to time.